

बोराबैंड ऐप का आ गया 'एंड्रोमैक्स प्रो अपडेट वर्जन'

कुछ ही दिनों में कीमत दोगुनी करने जैसे आकर्षक और प्रलोभन देने वाले ऐप्स (योजनाओं) से सावधान रहें...

भंडारा जिला पुलिस बल की जनता से अपील : पुलिस अधीक्षक लोहित मतानी ने किया नागरिकों से आह्वान

भंडारा : आज के आधुनिक और तकनीकी युग में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बढ़ते उपयोग के कारण जैसे तो विकास में वृद्धि देखी जा रही है, लेकिन धोखाधड़ी के प्रकार में भी दिन-ब-दिन बढ़ोतरी देखी जा रही है। अज्ञात नंबरों से आए फोन कॉल का उत्तर देकर उन्हें अपना एटीएम पिन नंबर बताना, पासवर्ड बताना और अकाउंट से पैसे उड़ा लेने जैसी घटनाएं पुरानी हो चुकी हैं। कुछ दिन पहले भंडारा जिले में लोगों ने बोरा बैंड ऐप में लाखों रुपये का निवेश किया था। लेकिन अचानक बोरा बैंड ऐप बंद होने से जनता को लाखों रुपये का नुकसान हुआ।



भंडारा जिले के भोली भाली जनता कथित एंड्रोमैक्स प्रो ऐप पर कुछ ही दिनों में दोगुनी

नागरिकों को आकर्षक रिटर्न या कम दिनों में कीमत दोगुनी करने की पेशकश करने वाले अनधिकृत/धोखाधड़ी वाले ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म/ऐप के प्रलोभन का शिकार नहीं होना चाहिए। अपनी मेहनत की कमाई को धोखाधड़ी वाले ऐप्स में निवेश न करें। एंड्रोमैक्स प्रो ऐप्स को कभी भी बंद कर आपके साथ धोखा किया जा सकता है। नागरिकों को सावधान रहना चाहिए।

-लोहित मतानी
पुलिस अधीक्षक, भंडारा

कीमत पाने के लालच में फंसते नजर आ रहे हैं। इसके लिए भंडारा जिला पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि वे ऐसे प्रलोभनों में न आएँ। वर्तमान समय में जालसाज विभिन्न प्रकार के ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म/ऐप बनाकर लोगों को कम समय में रकम दोगुनी करने का लालच देते हैं और लोगों से भारी मात्रा में पैसा निवेश कराते हैं।

कुछ दिनों के बाद ऐसे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ऐप अचानक बंद हो जाते हैं और नागरिकों को उनके निवेश किए गए मूल पैसे वापस किए बिना धोखा दिया जाता है। भंडारा जिला पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि वे ऐसे प्रलोभनों में न फंसें। यदि नागरिक पैसा निवेश करना चाहते हैं, तो उन्हें भारत सरकार के तहत रएडक (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) द्वारा अनुमोदित प्लेटफॉर्म या आधिकारिक ऐप के माध्यम से निवेश करना चाहिए।

भंडारा पुलिस का नया उपक्रम...

होर्डिंग्स के माध्यम से वाहन मालिकों की जन जागरूकता
पुलिस अधीक्षक लोहित मतानी की पहल
भंडारा लाखनी बायपास पर दोनों तरफ लगाए होर्डिंग्स



आवाज भंडारा / प्रतिनिधि
भंडारा : भंडारा पुलिस अधीक्षक लोहित ने दिन पर दिन हो रहे हादसे पर नियंत्रण करने के लिए भंडारा लाखनी महामार्ग होर्डिंग्स के माध्यम से वाहन मालिकों की जन जागरूकता अभियान शुरू किया है। मुंबई से कोलकाता तक हाईवे पिछले कई सालों से निमाणाधीन है और इस पर भंडारा से लाखनी बाईपास मार्ग पर कई लोगों की जान जा चुकी है और कई लोग विकलांग हो चुके हैं, जिसे रोकने के लिए भंडारा पुलिस ने एक अनोखा कदम उठाया है सड़क पर जान-माल की हानि को देखते हुए हाईवे के दोनों ओर जागरूकता होर्डिंग्स लगाए गए हैं, इन होर्डिंग्स के जरिए धीरे-धीरे गाड़ी चलाएं, नशे में गाड़ी न चलाएं, हेलमेट पहनकर गाड़ी चलाएं जैसे वैनर लगाए गए हैं।

अवैध रेत परिवहन कर रहा ट्रैक्टर पलटा, चालक की मृत्यु...

इटान-करांडला मार्ग पर हुई दुर्घटना

आवाज भंडारा / प्रतिनिधि
लाखांडुर : रात के समय वैनगंगा नदी तट से अवैध रेत का वहन कर रहा ट्रैक्टर पलटा गया। हादसे में चालक की ट्रैक्टर के नीचे आने से मृत्यु हो गई। हादसा शनिवार, 8 जून को रात के करीब 12 बजे इटान-करांडला मार्ग पर हुआ। मृत ट्रैक्टर चालक का नाम छगन अशोक ठाकरे (20) है।



शनिवार को रेत का अवैध तरीके से वहन कर रहा था। इटान करांडला मार्ग पर तेज गति से दौड़ रहा ट्रैक्टर बेकाबू होकर नाले में पलटा गया। इस हादसे में ट्रैक्टर के नीचे दबने से चालक की मृत्यु हुई। हादसे की जानकारी लाखांडुर पुलिस को दी गई। लाखांडुर के थानेदार सचिन पवार, पुलिस उपनिरीक्षक अनिल मांदाडे, विजयसिंह गोमलाडू, पुलिस हवालदार गोपाल कोसेरे, संतोष चव्हाण, पुलिस अधिकारी नीलेश चव्हाण आदि कर्मचारियों ने मौका पंचानामा किया। शव को शवविच्छेदन के लिए भेज दिया। इस मामले लाखांडुर पुलिस ने में राजनी निवासी ट्रैक्टर मालिक गोपाल वामन तहेंकार (43) के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

रेत से लदा ट्रैक्टर पकड़ा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधि
कार्रवाई कर मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई में करड़ी पुलिस ने तीन लाख का ट्रैक्टर तथा तीन हजार की रेत इस तरह कुल तीन लाख तीन हजार रुपयों का माल जब्त किया है। यह कार्रवाई मुंदरी बुज. टी प्वाइंट परिसर में 8 जून को की गई। पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर के चालक ज्ञानेश्वर भाऊराव शेंडे (38) के खिलाफ पर मामला दर्ज किया है।

मोहाड़ी : अवैध रूप से रेत वहन कर रहे ट्रैक्टर पर पुलिस ने कार्रवाई कर मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई में करड़ी पुलिस ने तीन लाख का ट्रैक्टर तथा तीन हजार की रेत इस तरह कुल तीन लाख तीन हजार रुपयों का माल जब्त किया है। यह कार्रवाई मुंदरी बुज. टी प्वाइंट परिसर में 8 जून को की गई। पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर के चालक ज्ञानेश्वर भाऊराव शेंडे (38) के खिलाफ पर मामला दर्ज किया है।

पटोले नहीं, यादवराव पटोले के पुण्यों से मिली चुनाव में जीत

विधायक भोंडेकर का बयान

आवाज भंडारा / प्रतिनिधि
भंडारा : भंडारा-गोंदिया लोकसभा चुनावों में जीत का सेहरा नाना पटोले के सर नहीं बंधेगा बल्कि यह जीत स्वर्गीय यदावराव पटोले के पुण्य कर्मों का फल है, ऐसा सनसनीखेज बयान दिया भंडारा के विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने। शुक्रवार को भंडारा सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में वे बात कर रहे थे। भोंडेकर ने आगे कहा कि रामटेक, चंद्रपुर और गड़चिरोली की जीत का श्रेय नाना पटोले अकेले लूट रहे हैं जो सरासर गलत है। कांग्रेस की जीत में सुनील केदार या उन जैसे अन्य स्थानीय नेताओं की निर्णायक भूमिका रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि पटोले 4 टर्म विधायक और 1 टर्म सांसद रह चुके हैं लेकिन उन्होंने जिले के लिए कितना विकास निधि लाया यह बड़ा प्रश्न है। भोंडेकर भंडारा विधानसभा क्षेत्र से शिंदे गुट के विधायक हैं। इस अवसर पर उनके साथ अनिल गायधने, आरिफ शेख उपस्थित थे।



हार की जिम्मेदारी सभी की
इस अवसर पर भोंडेकर ने कहा कि भंडारा-गोंदिया लोकसभा क्षेत्र से महायुति के उम्मीदवार सुनील मेंडे के हार की जिम्मेदारी सभी घटक दलों की है। भंडारा विधानसभा क्षेत्र से मेंडे 23 हजार वोटों से पिछड़े जिसके लिए भोंडेकर ने खुद जिम्मेदारी ली लेकिन यह भी कहा कि महायुति के हार के कारणों में मेंडे का नगराध्यक्ष और सांसद दो पदों पर बने रहना मुख्य कारण रहा। नियोजन के अभाव के अलावा चारों प्रमुख उम्मीदवार भंडारा शहर के होने से वोटों का विभाजन भी एक कारण रहा। भोंडेकर ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को संभाला ना होता तो भंडारा विधानसभा से यह अंतर 23 हजार की जगह 50 हजार तक बढ़ गया होता। निर्भ्रय पालक

किया चौकाने वाला दावा

भोंडेकर ने कहा कि मौजूदा स्थिति देखते हुए वे उनके कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। अगर कार्यकर्ता उन्हें लड़ने से मना करेंगे तो वे विधानसभा नहीं लड़ेंगे ऐसा चौकाने वाला दावा विधायक भोंडेकर ने किया।
मंत्री भी एक वजह हार की वजहों को गिनाते हुए विधायक भोंडेकर ने मौजूद पालक मंत्री विजय कुमार गावित पर भी निशाना साधा। भोंडेकर ने कहा कि जिले को गावित जैसा निर्भ्रय पालक मंत्री मिला। जिसने लोकसभा चुनावों में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाई। पालक मंत्री बाहरी होने का खामियाजा महायुति को भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा कि पालकमंत्री जिले का होना चाहिए। जिले में अभी तक संजय गांधी श्रावण बाल योजना की समिति तक गठित नहीं की जिससे आम लोगों ने सरकार के विरोध में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

रोहा घाट में अवैध रेत तस्करी को लेकर पुलिस और तहसील विभाग एक्शन मोड पर...

मोहाड़ी तालुका के रोह घाट में लगी एक और पुलिस चौकी..
अवैध रेत उत्खनन को रोकने के लिए मोहाड़ी तहसीलदार की हो रही बार- बार कारवाई...
मोहाड़ी तहसील के रोहा और मुंढरी घाट में नदी से सुबह 3 बजे से 7 बजे तक की जा रही अवैध रेत तस्करी...

आवाज भंडारा / प्रतिनिधि
भंडारा : जिले के मोहाड़ी तहसील अंतर्गत आने वाले रोहा घाट में बेखोफ निडर होकर अवैध रेत तस्करी नदी से ट्रैक्टरों द्वारा की जा रही है। एक और अवैध रेत तस्करी को रोकने के लिए रोहा घाट में पुलिसिया के पास पुलिस चौकी लगाई गई है। लेकिन रोहा के रेत तस्करों ने वैनगंगा नदी से रेती चुराकर घाट रोड द्वारा रेत तस्करी शुरू करने की जानकारी बी एस क्राइम इंडिया न्यूज और साप्ताहिक आवाज भंडारा को मिली। उनकी टीम रोहा घाट पर पहुंची तो 50 से 100 ट्रैक्टर वैनगंगा नदी के रोहा तट से अवैध रेत तस्करी कर रहे थे। जिसका नजारा कैमरे में कैद किया गया। इसकी जानकारी संबंधित अधिकारी को दी गई। जिसके बाद मोहाड़ी तहसीलदार ने घटनास्थल पर टीम को



भेज कर 10 ब्रास रेत सहित गाड़ी पकड़ी। इसकी जानकारी भंडारा पुलिस अधीक्षक लोहित मतानी को भी दी गई,जिसके बाद अवैध रेत तस्करी रोकने के लिए रोहा घाट पर पुलिस चौकी बिठाई गई। लेकिन रोहा के तस्कर नदी से रेत चोरी

कर घाट रोड से रेत निकाल कर मशानघाट से सटे मैदान में डंप किया जाता है। यह प्रकरण रात 3 से सुबह 7 से 8 बजे तक ट्रैक्टरों द्वारा कई ब्रास रेत डंप की जाती है और उसे 7 से 10 बजे तक टिप्परों में भरकर भंडारा नागपुर जैसे बड़े शहरों में बेचा जाता है। इससे रोजाना शासन प्रशासन का कई लाखों रुपए का नुकसान हो रहा था। इस पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस विभाग और महसूल विभाग ने कमर कस ली है। और पुलिस विभाग की ओर से रोहा में एक और चौकी लगाई गई। ताकि रेत तस्करी तस्करी बंद हो और महसूल विभाग की ओर से समय-समय पर गश्त किया जाएगा ताकि अवैध रेत तस्करी पर अंकुश लगाया जा सके। अब रोहा घाट में दो चौकिया लगाई गई है,जिससे रेत तस्करों में खलबली मची हुई है।

'मेरी गाड़ी की डिवकी में मेरा मोबाइल ह' कहकर वैनगंगा नदी में छलांग लगाकर युवक ने दी जान



आवाज भंडारा / प्रतिनिधि
भंडारा : वैनगंगा नदी में छलांग लगाकर एक युवक ने खुदकुशी की। घटना शनिवार 8 जून को दोपहर के दौरान सामने आई है। मृतक का नाम खात रोड परिसर के गंगानगर निवासी वंश लक्ष्मीनारायण हेडाऊ (19) है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वंश हेडाऊ शुरुवार 7 जून को मां की एक्टिवा गाड़ी क्रमांक एमएच 36 टी 6703 से घूमने के लिए निकला। वैनगंगा नदी पर स्थित मंदिर के तट पर बैठकर उसने अपने दोस्त कृपाल भैय्यालाल धोटे को फोन किया। कहा कि 'मेरी गाड़ी की डिवकी में मेरा मोबाइल है। गाड़ी वैनगंगा नदी के किनारे रखी है' ऐसा बोलकर मोबाइल बंद कर दिया। करीब 8.15 बजे परिजन वैनगंगा नदी तट पर पहुंचे तो वहां पर वंश की गाड़ी रखी थी। किंतु वह कहीं दिखाई नहीं दिया। घटना की जानकारी भंडारा पुलिस को दी गई। पुलिस ने दूसरे दिन स्थानीय गोताखोरों की मदद से वंश के शव की खोज शुरू की। शनिवार 8 जून को सुबह 8.23 बजे उसका वैनगंगा नदी में मिला। वैनगंगा नदी में रात को ही उसने छलांग लगाकर खुदकुशी की इस बात की पुष्टि हुई। खुदकुशी के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया। वह नागपुर के एक अभियांत्रिकी महाविद्यालय में प्रथम वर्ष में अध्ययनरत था।

ऑक्टोबरमध्ये महायुती व महाआघाडीची मोठी परीक्षा

वीज वितरण कंपनीचे दुर्लक्ष: शेतकऱ्यांच्या जीवाला धोका शेतशिवारातील उच्चदाब वीजतारा वाहून नेणारे खांब वाकले

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

अंब की बार ४०० पार अशी भाजपाने लोकसभा निवडणुकीत घोषणा दिली होती, त्याच धर्तीवर महाराष्ट्रात देवेंद्र फडणवीस व चंद्रशेखर बावनकुळे राज्यात ४८ पैकी ४५ जागा जिंकणार असे ठामपणे सांगत होते. भाजपाचे काही नेते तर राज्यातील सर्व ४८ जागा महायुती जिंकणार अशीही पुस्ती जोडत होते. भाजपाच्या प्रचाराची सारी भिस्त पंतप्रधान नरेंद्र मोदी या एकाच चेहऱ्यावर होती. मोदींचा करिष्मा, मोदींच्या सभा, मोदींची भाषणे, मोदींचे रोड शो, लोकांकडून होणारा मोदी-मोदी असा जयघोष, वावरच भाजपाचे व महायुतीचे सारे यश अवलंबून होते.

संपादकीय

यापेक्षा जास्त जागा या दोन राज्यांतून मिळव्यात असे भाजपाला अपेक्षित होते. प्रत्यक्षात दोन्ही राज्यांनी भाजपाच्या महत्त्वाकांक्षेला दगा दिला, उत्तर प्रदेश व महाराष्ट्रात भाजपाची सत्ता आहे. केंद्रात भाजपाचे सरकार आहे, मग दोन्ही राज्यांत भाजपाचा दारुण पराभव का झाला? भाजपा व महायुतीच्या नेत्यांचे काय चुकले, काय कमी पडले, महायुतीला पराभव का पत्करावा लागला? याचे त्यांच्या नेत्यांनी तातडीने आत्मपरीक्षण करणे गरजेचे आहे. गेली दहा वर्षे देशभर भाजपाचा अश्वमेध सर्वत्र सुसाट होता. या वर्षीही भाजपाने लोकसभेत सर्वाधिक जागा जिंकून नंबर १ चे स्थान कायम राखले. २०१४ व २०१९ प्रमाणे भाजपाला स्पष्ट बहुमत मिळाले नाही, पण एनडीए आघाडीकडे २९३ जागा असल्याने एनडीएचे सरकार तिसऱ्यांदा स्थापन करण्याचा मार्ग सुकर झाला. पण भाजपाच्या खासदारांच्या संख्येत व एनडीएच्या संख्याबळत महाराष्ट्राचा वाटा खूपच कमी आहे, हे एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस व अजित पवार यांना शोभादायक नाही.

महाआघाडीचे महाराष्ट्रातून ३० खासदार निवडून आले व महायुतीला केवळ १७ वर थांबावे लागले ही महायुतीवर मोठी नामुष्की आहे. सांगलीतून अपक्ष महपून निवडून आलेले विशाल पाटील (दिवंगत नेते वसंतदादा पाटील यांचे नातू) यांनी काँग्रेसला पाठिंब्याचे पत्र दिल्याने काँग्रेसचा राज्यातील खासदारांची संख्या १४ झाली आहे. सर्वात महत्त्वाचे म्हणजे महाआघाडीचे जागावाटप व उमेदवार अगोदर जाहीर झाले, त्यामुळे आघाडीच्या उमेदवारांना प्रचाराला युतीपेक्षा जास्त वेळ मिळाला. महायुतीत जागावाटपाचा घोळ शेवटपर्यंत चालू होताना पक्षांने केलेला सर्व्हे पुढे करून भाजपाने एकनाथ शिंदे यांना पाच-साहा ठिकाणी शिवसेनेचे उमेदवार बदलायला लावले. भाजपा मुंबई दक्षिण, टाणे, कल्याण, नाशिकसाठी शेवटपर्यंत आग्रही राहिली. भाजपाने रजागिरी- सिंधुदुर्गची जागा आपल्याकडे खेचून घेतली. तिथे नारायण राणे नाव येताच शिवसेनेला होकार देण्यावाचून पर्यायच उरला नाही. ठाकरे व पवार यांना पक्षाचे नवीन नाव व नवोन निवडणूक चिन्ह घेऊन लढ- वे लागले. एकनाथ शिंदे यांना शिवसेनेचे नाव व धनुष्यवाण हे चिन्ह, तर अजित पवार यांना राष्ट्रवादी काँग्रेसचे नाव व घड्याळ हे चिन्ह मिळवल्याने ते खुश होते, पण



त्याचा अपेक्षित लाभ त्यांना निवडणुकीत मिळाला नाही. भटकती आत्मा, असली सेना, नकली सेना, शिल्लक सेना या शब्दाभोवती प्रचार फिरत राहिला, पण त्याने महायुतीकडे मतदार आकर्षित झाले नाहीत. सन २०१९ मध्ये भाजपाने अविभाजित शिवसेनेबरोबर २५ जागा लढवल्या व २३ जिंकल्या, यंदा महायुतीत २८ जागा लढवल्या व ९ जिंकल्या, हे काही पक्षाला भूषणास्पद नव्हे. रत्नागिरी-सिंधुदुर्गमधून नारायण राणे हे त्यांच्या ताकदीवर निवडून आले. राणे यांच्या विजयाने कोकणात भाजपाचे कमळ प्रथमच फुलले. उत्तर मुंबईतून पीयूष गोयल त्यांच्यासाठी मुंबई भाजपाने सर्व ताकद पणाला लावली होती व गोपाळ शेट्टी यांच्या पुण्याईने त्यांना मताधिक्य दिले, नागपूरमध्ये नितीन गडकरी यांना तर जनतेचेच निवडून दिले. जे या तीनही नेत्यांना जमले ते भाजपाला अन्यत्र का जमले नाही? रावसाहेब दानवे, कपिल पाटील किंवा भारती पवार या केंद्रीय मंत्र्यांना किंवा पंकजा मुंडे व महादेव जानकर यांना मोदींचा करिष्माही वाचवू शकला नाही. पंतप्रधान मोदींनी निवडणूक प्रचारासाठी महाराष्ट्रात १९ मतदारसंघांत सभा घेतल्या, रोड शो केले, एकनाथ शिंदे, फडणवीस व अजित पवार यांच्या नेतृत्वाखाली राज्यात गेली दोन वर्षे सत्ता आहे.

तरीही मतदार महायुतीकडे का वळले नाहीत? केवळ मोदी का मोदी करून आणि घोषणांचा पाढा ऐकवून, लोक मतदान करीत नाहीत. पाच वर्षांपूर्वी जे यश भाजपाला मिळाले त्याच्या निम्मेशी यश यावर्षी पदरात पडले नाही. शिवसेना व राष्ट्र- वादी काँग्रेसमध्ये तोडफोड झाल्यानंतर खरे तर त्या दोन्ही पक्षांचे नुकसान व्हायला पाहिजे होते व भाजपाचे आपखी खासदार निवडून वायला पाहिजे होते. मुस्लीम समाजाची एकबद्ध मते महाआघाडीकडे विवशित: उवाठा सेनेकडे वळली याची अगोदरपासून उघड चर्चा होती. ठाकरेंविषयी प्रेम म्हणून मुस्लीम मतदारांनी मशालीवर मतदान केलेले नाही, तर मोदींना विरोध म्हणून त्यांना मशाल जवळची वाटू लागली. ८४ ८४ वर्षांचे शरद पवार हे त्यांच्या पक्षाच्या उमेदवारांसाठी जे अफाट फिरले व त्यांनी जी मेहनत घेतली, त्याचा लाभ राष्ट्रवादीच्या उमेदवारांना झाला.

कांढ्याच्या निर्यात बंदीवरून निवडणूक काळात केंद्र सरकारने जे धरसोड धोरण अवलंबले त्याचा फटका शेतकऱ्यांना बसला. पण त्याची नाराजी मतदानातून प्रकटली व त्याची किंमत महायुतीला मोजावी लागली. महाराष्ट्रातील जे उद्योग व प्रकल्प गुजरातला व अन्यत्र गेले, या मुद्यावर भाजपाकडून कोणी एक शब्द उच्चारला नाही. निकालानंतर मला सरकारमधून मोकळं करा व संघटनेची जबाबदारी द्या, असे सांगण्याची पाळी देवेंद्र फडणवीस यांच्यावर आली ही दुदैवी बाब आहे. ऑक्टोबरमध्ये होणाऱ्या विधानसभा निवडणुकीत महायुती व महाआघाडी यांची मोठी परीक्षा आहे.

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : शिवणी-बामणी शेतशिवारात ११ कें.व्ही. उच्चदाबाच्या वीजतारा वाहून नेणारे खांब वाकले असून, ते केव्हाही पावसाळ्यात कोसळण्याची भीती व्यक्त करण्यात येत आहे. उच्चदाबाच्या वीजतारा शेतशिवारात लॉबकळत असून, शेतकऱ्यांना येथे जीव धोक्यात घालून बांधावर कामे करावी लागत आहेत. खांब मागील तीन ते चार वर्षांपासून वाकलेले असूनही त्यावर वीज वितरण कंपनीने अजूनपर्यंत कोणतीच कारवाई केली नाही. मागील वर्षी धातूरमातूर काही खांब दुरुस्त केले. त्यानंतर पावसाळा

सुरू झाला, ती कामे तशीच राहून गेली. बामणी-शिवणी शेतशिवारातून उच्चदाबाच्या वीजतारा गेल्या आहेत. शिवणी शिवारात वीजतारा वाहून मागील काही नेणारे खांब मात्र वर्षांपासून येथे वाकले आहेत. काही खांब वाकले आहेत. त्यामुळे शेतशिवारात जमिनीच्या दिशेने वीजतारा येथील लॉबकळत आहेत. विद्युत खांब असे वाकल्याने जीवंत तारा लॉबकळत आहेत. पावसाळ्यात येथे धोका निर्माण होण्याची शक्यता असून, खांब कोसळण्याची भीती व्यक्त करण्यात येत आहे. काही खांबांना यापूर्वी वीज वितरण

कंपनीने टेकू दिला आहे. टेकन देऊनही काही खांब वाकलेल्या स्थितीत आहेत. बामणी व शिवणी शिवारा हा कऱ्हार म्हणून प्रसिद्ध आहे. येथे एकदा शेतशिवारात पाणी जमा झाल्यानंतर ते पाणी सहजासहजी आटत नाही. या बांधावर जाण्याकरिता धड रस्ते नाहीत. त्यामुळे एकदा पावसाळा सुरू झाला तर वीज वितरण कंपनीला येथे कामे करता येणार नाही. त्यामुळे उन्हाळ्यातच वीज खांब पूर्ववत करण्याची गरज आहे. मागील वर्षी उन्हाळ्यात काही वाकलेल्या वीज खांबांची दुरुस्ती येथे वीज वितरण कंपनीने केली होती. परंतु, त्यानंतर लगेच

पावसाला सुरुवात झाल्यामुळे काही वाकलेले खांब तसेच राहून गेले. उन्हाळा आता संपण्याच्या मार्गावर असूनही मागील वर्षी शिल्लक राहिलेले काम अजूनपर्यंत वीज वितरण कंपनीने हाती घेतले नाही. त्यामुळे शेतकऱ्यांमध्ये प्रचंड रोष व्यक्त करण्यात येत आहे. **जीव धोक्यात घालून कामे** खरीप, रब्बी हंगामात या परिसरातील शेतकरी मशागतीची कामे जीव धोक्यात घालून करीत आहेत. ट्रॅक्टरने मशागतीचे कामे करताना अडचणी येतात. काही शेतात तर ट्रॅक्टरला त्या वीज तारांचा स्पर्श होण्याच्या धोका वाढला आहे.

शिक्षकांच्या प्रलंबित समस्यांवर शिक्षणाधिकारी, कोषागार अधिकाऱ्यांशी चर्चा

महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघाचा पुढाकार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : प्राथमिक शिक्षकांच्या प्रलंबित समस्यांवर शिक्षणाधिकारी व जिल्हा कोषागार अधिकाऱ्यांशी चर्चा करण्यात आली. यासाठी महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघाने पुढाकार घेतला.

मुख्य कार्यकारी अधिकाऱी जिल्हा परिषद भंडारा यांच्या आदेशान्वये ३० मे २०२४ ला महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघाच्या शिष्टमंडळाला शिक्षणाधिकारी यांनी चचेसाठी पाचारित केले होते. त्या अनुषंगाने शिक्षकांच्या प्रलंबित आणि महत्त्वाच्या मागण्यांवर चर्चा करण्यात आली. शिक्षणाधिकारी (प्राथ.) यांच्या दालनात शिक्षणाधिकारी (योजना) यांच्या समवेत आणि कक्षाधिकारी लांडे, अधीक्षक गोमासे हे उपस्थित होते. संघातर्फे जिल्हा, राज्य पदाधिकारी व प्रत्येक तालुकाव्याचे तालुकाध्यक्ष उपस्थित होते.

चर्चेत शासन निर्णयानुसार शिक्षकांचे पगार दर महिन्याच्या १ तारखेला करण्याबाबत यावे.

पवित्र पोर्टलद्वारे नवनियुक्त शिक्षकांच्या शालार्थ आयडी तयार करून सर्व शिक्षकांना वेतन व वेतनाची थकबाकी अदा करावी, ई-कुबेर वेतन प्रणालीबाबत कारवाई करावी, प्राथमिक शिक्षकांच्या सर्व संवगाची सेवाज्येष्ठता यादी अद्ययावत करणे, जिल्हास्तरावर संवर्ग बदली कार्यशाळा एक आणि दोनची घेण्यात यावी, सर्व संवर्गांच्या पदोन्नती प्रक्रिया राबवणे, पदवीधर शिक्षकांना यावी, जिल्ह्यात अनेक ते आठ वर भाषा, गणित व सामाजिक शास्त्राच्या पदवीधर रिक्त असल्यामुळे शिक्षकांच्या जागा देण्याची सुद्धा कारवाई करण्यात यावी, असे मागणी करण्यात आली. निवड श्रेणी व निकाली काढावीत, व इतर थकबाकी समिती स्तरावरून काढण्याबाबत चर्चा वरिष्ठ श्रेणी प्रकरणे वैद्यकीय थकबाकी तात्काळ निकाली विद्युत बिल प्राप्ताचयतीमार्फत भरण्यात यावे, शिक्षकांना न्यायालयाने दिलेल्या सचनानसार डीसीपीएस खात्यावरील रक्कम ट्रांसफर

करून संबंधित शिक्षकांच्या जीपीएफ खात्याला जमा करावी, विशेष शिक्षकांची सेवाज्येष्ठता ठरवून त्यांना पदवीधर वेतन श्रेणी देण्यात यावी, आदींचा समावेश होता. सर्व समस्यांवर प्रोसिडिंग तयार करून संघटनेला देण्यात येणार आहे, त्यानुसार संघाच्या वतीने आश्वासनानुसार प्रकरणे निकाली न निघाल्यास प्रशासनाच्या विरोधात तीव्र आंदोलन उभारण्याचा इशारा दिला आहे. यावेळी संघाचे जिल्हाध्यक्ष मुबारक सय्यद, जिल्हा परिषद शासकीय कर्मचारी संस्थेचे अध्यक्ष संजीव बावनकर, शंकर नखाते, शीलकुमार वैद्य, विजय चाचरे, मुकेश मेश्राम, राजन सव्वालखे, डी.आर. जिभकाटे, डी.आर. मेश्राम, दिनेश घोडीचोर, पांडुरंग नखाते, कोमल चव्हाण, इश्वर निकुळे, गणेश गभणे, विवेक हजारे, नामदेव गभणे, वनवास धनिसकार, सुरेश गडपायले, वसंता काटेखावे, राहुल बावनकुळे व संघाचे पदाधिकारी उपस्थित होते.

एसटी बसची ट्रक ला धडक : ५० प्रवासी थोडक्यात बचावले

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

दिशेने गोंदिया कडून रामटेक कडे जाणाऱ्या ट्रकला धडक झाल्याने बस मधील पन्नास प्रवासी सुखरूप बचावले तर ही घटना दुपारी चार वाजता या दरम्यान खापा चौकात घडली. वारंवार या चौकात अपघातामध्ये वाढ होत असल्याने प्रशासनावर प्रश्नचिन्ह निर्माण झाले आहे. सविस्तर वृत्त असे की तुमसर आगाराची बस चक १४ घट ८९७१ अकोला वरून तुमसर कडे येत होती. तर गोंदिया कडून रामटेक कडे जाणाऱ्या मालवाहू ट्रक क्र. चक ०४ कडू ९६९७ दोघे अनियंत्रित होऊन एकामेकावर आदळले यात बसमधील ५० च्या जवळपास प्रवासी सुखरूप बचावले सुदैवाने जीवित हानी टळली. परंतु खापा चौकात वारंवार प्रत्येक दिवशी अपघातात वाढहोत असल्याने कुठे तरी या परिसरामध्ये शासकीय कर्मचारी असो या वाहतूक पोलीस असो यावर प्रश्नचिन्ह निर्माण होत आहे. नेहमीप्रमाणे या चौकामध्ये अशा प्रकारच्या रांगा म वदळ असल्यामुळे कुठले पण उपाय योजना करण्यात आले नाही आहेत.

तुमसर : भंडारा कडून तुमसर कडे येणाऱ्या व विरुद्ध दिशेने गोंदिया कडून रामटेक कडे जाणाऱ्या ट्रकला धडक झाल्याने बस मधील पन्नास प्रवासी सुखरूप बचावले तर ही घटना दुपारी चार वाजता या दरम्यान खापा चौकात घडली. वारंवार या चौकात अपघातामध्ये वाढ होत असल्याने प्रशासनावर प्रश्नचिन्ह निर्माण झाले आहे. सविस्तर वृत्त असे की तुमसर आगाराची बस चक १४ घट ८९७१ अकोला वरून तुमसर कडे येत होती. तर गोंदिया कडून रामटेक कडे जाणाऱ्या मालवाहू ट्रक क्र. चक ०४ कडू ९६९७ दोघे अनियंत्रित होऊन एकामेकावर आदळले यात बसमधील ५० च्या जवळपास प्रवासी सुखरूप बचावले सुदैवाने जीवित हानी टळली. परंतु खापा चौकात वारंवार प्रत्येक दिवशी अपघातात वाढहोत असल्याने कुठे तरी या परिसरामध्ये शासकीय कर्मचारी असो या वाहतूक पोलीस असो यावर प्रश्नचिन्ह निर्माण होत आहे. नेहमीप्रमाणे या चौकामध्ये अशा प्रकारच्या रांगा म वदळ असल्यामुळे कुठले पण उपाय योजना करण्यात आले नाही आहेत.

अजीमुल्लाह नासीर मालाधारी यांनी सन २०२१ मध्ये विकत घेतलेले

मौजा लाखनी येथील गट क्र. २६४/२ च्या जागेचे गुंठेवारीमध्ये नियमितीकरण करून घेऊन केली शासनाची फसवणूक

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखनी : मौजा लाखनी येथील कृषी झोन मधील शेत जमिनी गट क्र. २६३/१, २६३/२, २६४/१, २६४/२ एकूण क्षेत्र १.६४ हे. आर जागा श्री. अजीमुल्लाह नासीर मालाधारी, रा. भंडारा यांनी विकत घेऊन सदर सर्व गट मिळून एकूण ७३ प्लॉटचे लेआउट तयार केले व तत्कालीन मुख्याधिकारी व इतर यांच्याशी संगममत करून, गुन्हेगारी स्वरूपाचे कट रचून व भ्रष्टाचार करून सर्व ७३ प्लॉटचे स्वतःच्या नावाने नियमितीकरण करून घेऊन शासनाची फसवणूक केली आहे. नियमानुसार गुंठेवारी प्लॉट धारक यांनी स्वतःच्या प्लॉटचे/भूखंडाचे नियमितीकरण करण्याकरिता अर्ज करणे अनिवार्य होते. मात्र सदर प्रकरणात जमीन मालक श्री. अजीमुल्लाह तासीर मालाधारी यांनी ७३ प्लॉटचे स्वतःच्या नावाने अर्ज करून बेकायदेशीरपणे ७३ प्लॉटचे नियमितीकरण करून घेतले. व त्याकरिता लागणारे शुल्क रु. २,७३,७४६/- दि. २०.१०.२०२२ ला त्यांनी नगर पंचायतकडे नगदी भरलेले आहेत.

दि. ३१.१२.२०२० पूर्वी खरेदी केलेल्या मोकळ्या प्लॉटचे/भूखंडाचे नियमितीकरण करण्याकरीता गुंठेवारी कायदा हा अस्तित्वात आला होता. मालाधारी यांनी गट क्र. २६४/२ ची जागा हि दि. ०८.०७.२०२१ ला विकत घेतली. तरीही मालाधारी यांनी गट क्र. २६४/२ मधील पॉट चे नियमितीकरण करून घेऊन शासनाची फसवणूक केली आहे. गुंठेवारी कायद्यानुसार अर्ज करण्यात आलेल्या प्रत्येक मालाधारी यांनी भूमी अभिलेख कार्यालय कडून गट क्र. २६३/१, २६३/२, २६४/१, २६४/२ एकूण क्षेत्र १.६४ हे आर जागेची हद्द कायम मोजणी न करता स्केल मध्ये प्रमाणित नसलेला बेकायदेशीर लेआउट नकाशा अभियंता कडून तयार करून घेऊन शासनाचा महसूल बुडवून फसवणूक केली आहे. गुंठेवारी कायद्यानुसार अर्ज करण्यात आलेल्या प्रत्येक मालाधारी यांनी भूमी अभिलेख कार्यालय कडून गट क्र. २६३/१, २६४/२, २६४/२ चे क्षेत्र, नकाशाचे क्षेत्र व वहीवाटीचे क्षेत्र नकाशाबाहेर दाखवून त्याचे एकूण क्षेत्र १६२०० चौ. मी. आहे तर प्लॉट चे भूमी अभिलेख कार्यालय कडून गुंठेवारी मोजणी करून न घेता नियमितीकरण करून घेतले असल्यामुळे शासनाचा महसूल बुडवून फसवणूक केली आहे.

०५.०५.२०१५ ला पोर्टहिस्सा मोजणी केली असता त्या मोजणी 'क' प्रत मध्ये पोर्टहिस्सा कार्यवाही करण्यात आली असल्याचे नमूद आहे. तर श्री. अजीमुल्लाह नासीर मालाधारी यांनी गट क्र. २६४ ची दि. ११.०३.२०२३ ला अतितातडी पोर्टहिस्सा मोजणी केली. त्याप्रमाणे ७/१२ चे क्षेत्र, नकाशाचे क्षेत्र व वहीवाटीचे क्षेत्र मेळात नसल्याने पोर्टहिस्सा कार्यवाही करता आली नाही. दोन्ही शासकीय मोजणी मध्ये खूप विरोधाभास आहे. यावरून भूमी अभिलेख कार्यालयातील कर्मचारी यांच्या कामावर प्रश्नचिन्ह निर्माण झाले आहे. केलेल्या पोर्टहिस्सा कार्यवाहीनुसार गट क्र. २६३/१, २६३/२, २६४/१, २६४/२ चे व वहीवाटीचे क्षेत्र नकाशाबाहेर दाखवून त्याचे एकूण क्षेत्र १६२०० चौ. मी. आहे तर लेआउट नकाशा मधील क्षेत्र १६४०० चौ. मी. मध्ये कसा काय तयार करण्यात आलेला आहे.

२६४/२ क्षेत्र १.६४ हे आर जागा कृषी विभागात समाविष्ट असून नवनिर्मित नगर पंचायत मध्ये आहे. सदर जागा मंजूर विकास योजना लाखनी नुसार कृषी विभागात अंतर्भूत असल्याने उक्त जागेवर रविवासी वापर अनुज्ञेय नाही नसल्याचे दि. २२.०९.२०२१ ला मुख्याधिकारी, नगर पंचायत, लाखनी यांना पत्र दिले होते. मात्र मालाधारी यांनी सदर पत्राची अवेहलना केली तसेच कृषी झोन मधील जागा ह्या गुंठेवारी कायद्या अंतर्गत नियमितीकरण करता येत नसतानाही मालाधारी यांनी नगर पंचायत कार्यालयातील अधिकारी, कर्मचारी व इतर यांच्याशी संगममत करून व गुन्हेगारी स्वरूपाचे कट रचून शासनाची दिशाभूल करून फसवणूक केली असल्याने दोषपूर्ण फौजवारी गुन्हा दाखल करून त्यांना सेवेतून निलंबित करण्याची मागणी सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. दिपराज इलमकार यांनी केली असून त्याबाबतची मा. जिल्हा सहआयुक्त (न.पा.प्र.), जिल्हाधिकारी कार्यालय, भंडारा याना दि. ०६.०२.२०२४ ला तक्रार सुध्दा दिली आहे.

सात दशकांपासून मातीचाच रस्ता, चिखलातून जावे लागते!

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : प्रत्येक शेत जमिनीच्या बांधावर जाण्याकरिता पाणंद रस्ते तयार करावे असा नियम आहे. मागील सात दशकांपासून मुंबई-हावडा व तुमसर रोड तिरोडी या रेल्वे ट्रॅकपासून १०० मीटर अंतरावर असलेल्या शेतशिवारात जाण्याकरिता पावसाळ्यात चिखल तुडवत सुमारे दीडशे शेतकऱ्यांना जावे लागत आहे. मागील सात दशकांपासून या परिसरातील शेतकरी दुसऱ्यांच्या शेतीतून जात होते. येथे पाणंद रस्ता तयार करण्यात आला परंतु त्यावर मुरूम व दगड घालण्यात आले नाहीत. त्यामुळे येत्या पावसाळ्यात चिखल तुडवत सुमारे दीडशे शेतकऱ्यांना जावे लागते. दोन महत्त्वपूर्ण रेल्वे ट्रॅकच्या जवळ शेतकऱ्यांच्या मोट्यवान शेतजमिनी आहेत. परंतु तुडका शिवनी शेतशिवारात जाण्याकरिता पाणंद रस्त्यावर येथे मुरूम व दगड घालण्यात आले नाही. पाणंद रस्ता येथे

चार ते पाच वर्षांपूर्वी तयार करण्यात आला. तोही येथे अर्धवट आहे. काळी व कसदार शेती असून ही या शेतीवर जाण्याकरिता धड पाणंद रस्ता नाही. शासनाच्या नियमांचे येथे उल्लंघन केले जात आहे परंतु त्याकडेही कुणाचेच लक्ष नाही. मागील सात दशकांपासून येथील शेतकरी हे जीव धोक्यात घालून चिखल मार्गाने रस्ता तुडवत शेती करीत आहेत. शेतीची अवजारेही डोक्यावर घेऊन शेतात जातात. काही शेतकरी बावनथडी वितरिकेवरून निसरड्या वाटेने शेतात जातात. बावनथडी वितरिकेवरही नियमानुसार मुरूम घालण्यात आला नाही. तिरोडी रेल्वे ट्रॅकवर अंडरपास तयार करण्यात आला आहे. पावसाळ्यामध्ये तो पूर्ण भरला असतो. जवळच नाला आहे. शेतकऱ्यांना सुमारे दोन ते तीन किलोमीटर अंतरावरून शेतात जावे लागते. **श्रीमंतांची शेतीकडे नजर** या परिसरातील शेतीवर जाण्याकरिता धड रस्ता नसल्याने येथील शेतकरी कमी

किमतीने शेती विक्री करीत आहे. त्याच्या फायदा श्रीमंत व राजकीय नेते मंडळी घेत आहेत. त्यामुळे येथे रस्ता तयार केला जात नाही, असा आरोप काही शेतकऱ्यांनी केला आहे. त्रासून लहान शेतकरी येथे कमी किमतीत शेती विक्री करतील व ती आपण खरेदी करू असा त्यांच्या डोळ्या या शेतीवर आहे. तहसील प्रशासनाने येथे दखल घेऊन तत्काळ कारवाई करण्याची गरज आहे. **पाणंद रस्त्याचाही फोडण्याचा प्रकार** तुडका शिवारात असलेल्या पाणंद रस्त्याला काही शेतकऱ्यांनी फोडून पांढण रस्ता अरुंद करण्याचा प्रयत्न केला आहे. रस्त्याचा भाग आपल्या शेतीत समाविष्ट करण्याचा प्रयत्न येथे केला जात आहे. त्याकडे ग्रामपंचायतीचे दुर्लक्ष दिसत आहे. रस्त्याशेजारी पाणी दुसऱ्या शेतात जाण्याकरिता नाली करण्यात आली होती ती नाली ही एका शेतकऱ्याने बुजवली आहे. परंतु त्या शेतकऱ्याला जाब विचारेल कोण, असा प्रश्न येथे उपस्थित होतो.

मा. सहाय्यक संचालक, नगर रचना कार्यालय, भंडारा यांनी गट क्र. २६३/१, २६३/२, २६४/१,

४५०० हेक्टर शेतजमीन आली लागवडीखाली कृषी शाश्वत-नैसर्गिक शेती अभियान

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : महाराष्ट्र शासन विभाग कृषी तंत्रज्ञान व्यवस्थापन यंत्रणा 'आत्मा' भंडाराअंतर्गत डॉ. पंजाबराव देशमुख नैसर्गिक शेती मिशन अभियानाची सुरुवात २०२३-२४ या वार्षिक सत्रापासून करण्यात आली. या वार्षिक सत्रामध्ये भंडारा जिल्ह्यातील ५० हेक्टरप्रमाणे एक गट याप्रमाणे ९० गटांची या अभियानांतर्गत निवड करण्यात आली. जवळपास ४ हजार ५०० हेक्टर क्षेत्र या वार्षिक सत्रामध्ये लागवडीखाली आहे.

ही योजना कृषी विभाग आणि कृषी तंत्रज्ञान व्यवस्थापन यंत्रणा यांच्या माध्यमातून राबविली जात आहे. आत्माअंतर्गत नोंदणीकृत गट उमेदअंतर्गत नोंदणीकृत गट शेतकरी गटांना योजनेचे लाभ देण्यात येत आहे. या योजनेची अंमलबजाणी सुरू आहे. भंडारा तालुक्यातील खरबी ग्रामपंचायत सभागृहात शेतकरी गटांची सभा नुकतीच घेण्यात आली.

त्यात नैसर्गिक शेती संकल्पना आणि व्याप्ती याबद्दल आत्माचे तालुका तंत्रज्ञान व्यवस्थापक सतीश वैरागडे यांनी उमेद, आत्मा, कृषी विभागांतर्गत



शेतकरी गटांना मार्गदर्शन केले. सोबतच मंडळ कृषी अधिकारी जीवन दगे यांनी बांधावरील प्रयोगशाळा, सलग फळबाग लागवड योजना, महाडीबीटी, टिबक सिंचन, यांत्रिकीकरण, याबद्दल सविस्तर

मार्गदर्शन केले. डॉ. पंजाबराव देशमुख नैसर्गिक शेती अभियानअंतर्गत तंत्र सहायक नेहल उरुकुडकर यांनी 'नैसर्गिक शेती मिशनअंतर्गत शेतकरी उत्पादक

कंपनींना होणारे लाभ आणि वाटचाल' याबद्दल सविस्तर मार्गदर्शन केले.

नैसर्गिक संसाधनावर भर

निसर्गात उपलब्ध असणाऱ्या संसाधनांचा वापर, पर्यावरणाला हानी न पोहोचता पर्यावरण संवर्धनासह निसर्गपूरक शेती करणे म्हणजे नैसर्गिक शेती होय, त्यामध्ये कामगंध सापळे, पक्षी थांबे, हिरवळीची खते, दशपर्णी, ट्रायकोग्रामाचा वापर इत्यादी विविध माध्यमांचा वापर करून शेती करण्यासाठी शेतकऱ्यांना प्रोत्साहन देण्यात येत आहे.

९० गटांची निवड

या अभियानअंतर्गत विशिष्ट गावांमध्ये ५० हेक्टर याप्रमाणे शेतकऱ्यांची निवड करून शेतकऱ्यांना गाव पातळीवर प्रशिक्षण देण्यात आले. यात दशपर्णी अर्क जीवामृत, घनामृत, कंपोस्ट खत, गांडूळ खत, विजामृत, निंबोळी अर्क या जैविक संसाधनांचा वापर करून क्रीटकनाशके, खते, बुरशीनाशके कसे तयार करायचे याबद्दलचे प्रशिक्षण एन.आय.पी.एच.एम. हैदराबाद व डॉ. संतोष चव्हाण (एरंडा जिल्हा वाशिम) यांच्या बांधावरील प्रयोगशाळा या संकल्पनेतून दिला.

दारू अड्ड्यांवर मारले छापे, अडीच लाखांचा मुद्देमाल जप्त

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिल्ह्यात दारू व जुगार अड्ड्यांवर छापा मारून तब्बल २ लाख ३६ हजार १७५ रुपयांचा मुद्देमाल जप्त करण्यात आला.

यात तुमसर येथे सद्दा प्रकरणे दिलीप जावरानी (गुरुनानक वॉर्ड तुमसर), गोबरवाही पोलिसांनी सद्दा अड्ड्यावर छापा मारून कारवाई केली. कारवाही पोलिसांनी बायाबाई बागडे या महिलेवर गुन्हा नोंदवून ३६०० रुपयांचा माल जप्त केला. तुमसर पोलिसांनी यादव शालिक उईके (पिपरा) याच्यावर गुन्हा नोंदवून मोहफुलाची दारू जप्त केली.

तर ईश्वर बडवाईक, अशोक भुरे दोन्ही (रा. पिपरा) यांच्या ताब्यातून मोटारसायकलसह अवैध दारू गाळण्याचे साहित्य १ लाख २० हजार ६०० रुपयांचा माल जप्त केला. जगताराम बडवाईक (रा. पिपरा), देवानंद डोबन उके,



ललीता डोबनउके यांच्यावर गुन्हा दाखल करून अवैध दारूसाठी जप्त केला.

सुधाकर नागमोते (रा. बघेडा) या सद्दा चालविणाऱ्यावर कारवाई करण्यात आली. तर गोबरवाही पोलिसांनी बंडू मेश्राम या अवैध दारू विक्रेत्याच्या ताब्यातून २१ हजार रुपयांचा माल जप्त केला. लाखनी पोलिसांनी राजेगाव येथे नितेश वासनिक याच्या ताब्यातून मुद्देमाल जप्त केला.

पालांदूर येथे पाण्याच्या कृत्रिम टंचाईने समस्येत वाढ

उपाययोजनांची गरज : ग्रामपंचायतला निवेदन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

पालांदूर : घराघरात नळ कनेक्शन पोहोचले असले तरी बऱ्याच घरात नळाला पाणी मिळणे दुरापास्त झाले आहे. बाजार चौकातील सारंग पुरुषोत्तम गिरडकर यांच्यासह चार घरी नळ असूनही गत पाच महिन्यांपासून नळाला पाणी येत नसल्याने मोठी समस्या बाजार चौकात निर्माण झाली आहे. संजय नगरासह माळी वॉर्डातही नळाला पाणी मिळत नाही. प्रभावित नागरिकांनी ग्रामपंचायतला निवेदन देत पाणीपुरवठ्याची मागणी केली आहे.



पालांदूर येथे भासत आहे.

पाण्यासाठी नागरिकांनी बऱ्याच घरी खोल खड्डे खोदून समान पाणी वाटपाला अडचण निर्माण केली आहे. तर काही ठिकाणी टिल्लू पंपाचा वापर करून नियमाचे उल्लंघन करीत गरजेपेक्षा अधिक पाणी खेचले जात आहे. ग्रामपंचायतने पुढाकार घेत आहे त्या प्रमाणात प्रत्येक नळाला पाणी येण्याकरिता प्रत्येक व्हॉल्व्हवर नियोजन साधित समान पाणी वाटप करण्याची मागणी नळधारकांनी केली आहे.

नळाला तोट्यांचा अभाव...

नळ्यांना तोट्या लावण्यात आल्या खऱ्या मात्र नागरिकांनी तोट्यांचा दुरुपयोग केला, नळ्याला अपेक्षित पाणी येत नसल्याने लागलेल्या तोट्या काढण्यात आल्या. त्यामुळे बऱ्याचदा नाहक पाणी गटार नदीला वाहत आहे. पाणी ही राष्ट्रीय संपत्ती असल्याने त्याचा सुटपयोग व्हावा. पिण्याच्या पाण्याचा दुरुपयोग होऊ नये याकरितासुद्धा जबाबदार नागरिकांनी सहकार्य करण्याची गरज आहे.

आधारभूत खरेदी केंद्रातील हमालांची प्रतिकट्टा हमाली केवळ तीन रुपये

वाढ करण्याची मागणी : केंद्रधारकांपुढे समस्या

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

पालांदूर: आधारभूत धान खरेदी केंद्रावरील खरेदी केलेला धान उचल करण्याकरिता हमालांना नियोजित असलेला शासकीय तीन रुपये कट्टेचा दर अत्यल्प असल्याने हमाल काम करण्यास तयार नाहीत. त्यामुळे मिळालेल्या डीओची उचल समस्येत आली आहे. खासगीत २० रुपये पोत्याप्रमाणे हमाली दिली जाते. अर्थात १० रुपये कट्टा अशी ती हमालीचा दर पडतो. तेव्हा किमान शासनाने ८ रुपये तरी दर निश्चित करून हमाल टोळीला व आधारभूत खरेदी केंद्र धारकांना सहकार्य करण्याची मागणी आहे.

जिल्ह्यातील किमान २९० आधारभूत खरेदी केंद्रात खरिपाची धान खरेदी झालेली आहे. त्या धानाची उचल सुरू झालेली आहे. रब्बी अर्थात उन्हाळी धानाची खरेदी व खरिपाची उचल एकाच वेळी आल्याने हमालांची मोठी समस्या उभी आहे.

आधारभूत खरेदी केंद्र मिळविणे जेवढे कठीण आहे. त्यापेक्षा आधारभूत खरेदी केंद्र चालविणे तारेवरची कसरत झाली आहे. आधारभूत खरेदी केंद्रात शासकीय



नियमांचा भडिमार सुरूच आहे. त्या समस्येत आणखी हमालांची कट्ट्याच्या हमालीचा प्रश्न पुढे आल्याने आणखीनच केंद्र चालविणे कठीण झाले आहे.

जिल्ह्यात बऱ्याच आधारभूत केंद्रात खरेदीची परवानगी मिळूनही नुसत्या हमाल टोळी काम करायला तयार नसल्याने आधारभूत खरेदी केंद्राला सुरू करण्याचा आधार मिळालेला नाही. खासगीत भात गिरणीत, शेतकऱ्यांच्या शेतावर किंवा

डुॅक्टरच्या हमालीवर हमालांना शासकीय दरापेक्षा तीन पट हमाली मिळत आहे. त्यामुळे नियोजित असलेली शासनाची तीन रुपये प्रति कट्ट्याची हमालीचे दर वाढवून किमान त्यांना प्रति कट्टा ८२ तरी द्यावे अशी वास्तव मागणी जिल्हा बँकेचे संचालक विनायक बुरडे जेवणाला यांनी केले आहे.

कट्ट्याची हमाली निश्चितच कमी आधारभूत धान खरेदी केंद्रात खरिपाचे धान पडून आहेत. बऱ्याच प्रयत्नानंतर भरडई

गत पाच वर्षांपासून हमालीचे दर न वाढवल्याने आमच्या पोटापाण्याचा प्रश्न कायम आहे. तीन रुपये प्रति कट्ट्याचा दर निश्चितच आम्हाला परवडणारा नाही, शेतकरी एका पोत्याचे वीस रुपये देतात. राईस मिलधारक एका कट्ट्याचे दहा रुपये देतो. तेव्हा शासनानेसुद्धा आमच्या हमालीचा दर वाढवून द्यावा एवढीच माफक अपेक्षा आहे.

-फागो काळे, हमाल जेवणाला

सुरू झालेली आहे. आधीच हमाल टोळीचा मोठा तुटवडा सहन करावा लागत आहे. अशातच त्यांना मिळणारी प्रति कट्ट्याची हमाली निश्चितच कमी आहे. त्यातल्या त्यात काम केल्यानंतर हप्ताभरात किमान महिन्याभरात हमाली महिने मिळणे अपेक्षित आहे. परंतु शासनाकडून सहा महिने किमान आठ तरी विलंब लागतो. त्यामुळे सुद्धा हमाल टोळी काम करायला आधारभूत केंद्रात तयार होत नाही.

केशवनगर चौकातील अतिक्रमण देताहेत अपघाताला निमंत्रण

राज्यमार्गावरील प्रकार : कृती समितीने केली अतिक्रमण निर्मूलनाची मागणी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

केसलवाडा : खोकरला येथील जगनाडे चौकात खासगी व्यावसायिकांनी सार्वजनिक रस्त्यावर टिनाचे शेड टाकून अतिक्रमण केले आहे. परिणामी समोरून येणारे वाहन चालकाला दिसत नसल्याने अपघात होण्याची शक्यता व्यक्त करण्यात आली आहे. हे अतिक्रमण हटविण्याची मागणी होऊ लागली आहे.



ग्रामपंचायत प्रशासनाने दखल घेऊन त्वरित अतिक्रमण हटविण्याची मागणी सामाजिक जनसंघर्ष कृती समितीच्या कार्यकर्त्यांनी केली आहे.

खासगी व्यावसायिकांनी केलेल्या अतिक्रमणाची ग्रामपंचायत प्रशासनाने

वेळीच दखल घेतली नाही. त्यामुळे जगनाडे चौकात मोठा अपघात होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. उल्लेखनीय म्हणजे या चौकातून ग्रामपंचायत प्रशासनातील अनेक मंडळी रोज ये-जा करतात. मात्र त्यांचे खासगी व्यावसायिकांनी केलेल्या

अतिक्रमणाकडे लक्ष जाऊ नये याचे नवल वाटते. हाच प्रश्न सामान्य जनतेलाही पडला आहे. ग्रामपंचायत प्रशासनाकडून अतिक्रमणधारकांना अभय तर दिले जात नाही ना, अशी शंका सामान्य जनता व्यक्त करीत आहे. याकडे खोकरला ग्रामपंचायत प्रशासनाने लक्ष देऊन त्वरित अतिक्रमण हटविण्याची कार्यवाही करावी, अशी मागणी होत आहे.

कारवाई होणार काय ?

भंडारा-रामटेक राज्य मार्गावरील खोकरला गावाच्या हद्दीतील हा प्रकार आहे. एकंदरीत राज्य मार्गावरच हा अतिक्रमणाचा प्रकार आहे. यावर स्थानिक प्रशासन खरच कारवाई करणार काय, असा प्रश्न आता आपसूकच उपस्थित होत आहे. यावर सर्वांचेच लक्ष लागले आहे.

नेत्र शिबिरात २५० जणांनी घेतला लाभ ५० जणांनी मोतीबिंदू शस्त्रक्रियासाठी निवड

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : धनगर समाज संघर्ष समिती, भंडारा-गोंदियाच्या विद्यमाने सिहोरा येथे राजमाता पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर यांच्या २९९ वी जयंतीचे औचित्य साधून मोफत नेत्र शिबिर व मोतीबिंदू शस्त्रक्रिया शिबिराचे आयोजन करण्यात आले. राजकुमार मरठे यांच्या प्रयत्नाने धनगर समाज संघर्ष समिती भंडारा-गोंदिया द्वारे नुकतेच संजय गांधी शाळा सिहोरा येथे करण्यात आले. महात्मे नेत्र बँक हॉस्पिटल नागपूरच्या वतीने खासदार व डॉ. मेडिकल सायन्स अध्यक्ष डॉ. विकास महात्मे यांच्या मार्गदर्शनात डॉ. अश्विन गोयल आणि त्यांची टीम यांनी २५० लोकांची नेत्र तपासणी केली.

त्यामध्ये ५० लोकांची मोतीबिंदू शस्त्रक्रियासाठी निवड करण्यात



आली.

यावेळी धनगर समाज संघर्ष समितीचे जिल्हाध्यक्ष राजकुमार मरठे, सिहोरा सरपंच रंजना तुरकर, संजीवनी बँकेचे मुख्यकार्यकारी अधिकारी संजीवनी लांजेवार, जिल्हा उपाध्यक्ष धनगर समाज संघर्ष समिती जयशंकर घटारे, माजी ग्रामपंचायत सदस्य सुशील कुंभारे, सामाजिक कार्यकर्ता ओमकार चव्हाण, सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णा

पारधी, दिनेश तुरकर, धरम बिसने, दिनेश कामये, धनंजय तुरकर धनगर समाज संघर्ष समितीचे कार्यध्यक्ष तुलसीदास खऊळ, धनगर समाज संघर्ष समिती जिल्हा संघटक, विजय मुकुरने, धनगर समाज संघर्ष समिती तालुकाध्यक्ष उमा शंकर मुकुरणे आणि गावातील नागरिक उपस्थित होते. संचालन ओंकार चव्हाण यांनी केले तर आभार सुशील कुंभारे व जयशंकर घटारे यांनी मानले.

दबा धरून बसलेल्या वाघाचा दुचाकीवर हल्ला, अड्याळ वनपरिक्षेत्रातील घटना

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

चिचाळ : शेतात मशागतीच्या कामावरून परतीसोबत दुचाकीने परत येत असताना शेतात दबा धरून बसलेल्या वाघाने अचानकपणे दुचाकीवर हल्ला केला. यात शेतकरी महिला जखमी झाल्याची खळबळजनक घटना चिचाळ चिचाळ पुलाजवळ घडली. सूर्यकांता गोपाल काटेखाये (४०, चिचाळ) असे या जखमी महिलेचे नाव आहे.



अड्याळ-चिखली येथील शेती मशागतीची कामे सुरू आहेत. चिचाळ येथील गोपाल काटेखाये यांचे शेती असून, शेती मशागतीची कामे आटोपून परती गोपाल काटेखाये सोबत दुचाकीने येत असताना

ग्रामीण रुग्णालय जखमी सूर्यकांता अड्याळ येथे नेण्यात आले. घटनेची माहिती मिळताच वनविभाग अड्याळचे वनक्षेत्राधिकारी घनश्याम ठोंबरे कर्मचाऱ्यासह पोहोचून घटनास्थळाचा व ग्रामीण रुग्णालयात सूर्यकांता काटेखाये यांची भेट देऊन पंचनामा केला.

या घटनेमुळे परिसरातील शेतकऱ्यांमध्ये धास्ती निर्माण झाली आहे. सध्या शेतीच्या मशागतीचा काळ आहे. अशा दिवसात हा प्रघात घडल्याने शेतकऱ्यांनी सुरक्षेची मागणी वन विभागाकडे केली आहे. वन्यप्राण्यांच्या हल्ल्यामुळे शेतकरी धास्तावल्याचे चित्र परिसरात दिसून येत आहे.

आरोग्य तपासणी शिबिर व सत्कार समारंभ सोहळा मान्यवरांची उपस्थिती : शांतीवन बुद्ध विहार पाथरीत विविध उपक्रम

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : कहालकर दुःखनिवारक दवाखाना व शिवतीर्थ मानव कल्याणकारी बहुउद्देशीय संस्था खराशी तसेच शांतीवन बुद्ध विहार चिचाळ यांच्या संयुक्त रविवारी पवनी तालुक्यातील शांतीवन बुद्ध विहार पाथरी (चिचाळ) येथे अखिल भारतीय ध्रुवतारा अपंग क्रांतिकारी सामाजिक संघटनेचे राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव भांबोरे यांच्या प्रयत्नाने आरोग्य शिबिर, वृक्षारोपण कार्यक्रम, तसेच विविध सामाजिक क्षेत्रातील कार्यकर्त्यांचा सत्कार समारोह कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला.

या कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी डॉ. अक्षय कहालकर होते. प्रमुख अतिथी म्हणून माजी सभापती चंद्रशेखर टेंभूणे, संविधान संघर्ष समितीचे जिल्हाध्यक्ष रोशन जांभूळकर, विदर्भावादी शेतकरी



संघटना अध्यक्ष सदानंद धारगावे, सत्यसाई संस्थेचे डॉ. टेंभकर, डॉ. नागपुरे उपस्थित होते. विशेष अतिथी म्हणून कवी तथा साहित्यिक जळगावचे मकरंद पाटील प्रामुख्याने उपस्थित होते.

सत्कार करण्यात आला. प्रा. शेखर बोरकर यांनी प्रास्ताविक व सूत्रसंचालन केले. या आरोग्य शिबिराचा ५० जणांनी लाभ घेवून औषधोपचार केला. यावेळी परिसरातील अनेकांनी पाथरी शिबिरात सहभाग घेतला. कार्यक्रमासाठी डॉ. अक्षय कहालकर,

प्रेषितात कहालकर, मीरा कहालकर, पंकज कहालकर, शीतल चामट यांनी सहकार्य केले.

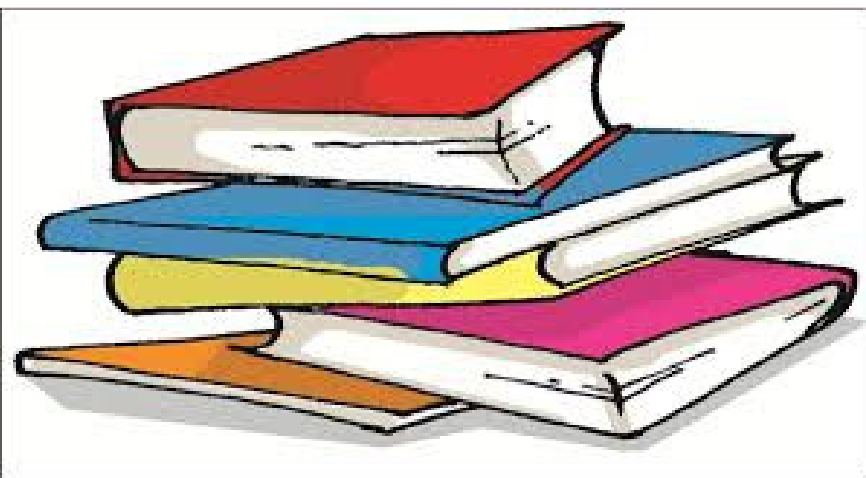
यांचा झाला सत्कार मकरंद पाटील, चंद्रशेखर टेंभूणे, नाशिक चवरे, रोशन जांभूळकर, डी. जी. रंगारी, शीतल नागदेवे, प्रा. शेखर बोरकर, पंकज वानखेडे, अभियंता रूपचंद रामटेके, श्रीकृष्ण देशभ्रतर, कुलदीप गंधे, पंकज रहांगडाले, तुळशीराम गेंडाम, अचल मेश्राम, डॉ. अक्षय कहालकर, सदानंद धारगावे, चंद्रशेखर खोब्रागे, आशिष चेंडे, भावेश कोटांगले, डॉ. भैयालाल मेश्राम, विलास केजरकर, प्रेमनांद हटवार, धम्मरक्षित जीवबोधी बौद्ध, मीरा भट, प्राची चटप, अॅड. वसुधा मेगरे, गोविंदा कुंरजेकर, भाऊराव पंचवटे, भाऊ कातोरे, भंते विनय बोधी महाथेरे, प्रीतम राजाभोज, निमा रंगारी, तनुजा नागदेवे यांचा सत्कार करण्यात आला.

87,894 छात्रों को पहले दिन किताबें

3.66 लाख पुस्तकें पहुंची तहसील स्तर तक, 1 को वितरण

4 करोड़ 53 लाख खर्च

जिला परिषद, नगर निगम, सरकारी स्कूलों, निजी सहायता प्राप्त स्कूलों से 87,894 पात्र विद्यार्थियों के लिए 3,60,012 किताबों की डिमांड प्राप्त हुई. इन किताबों की कीमत 4 करोड़ 53 लाख 54 हजार 111 रुपये है. इस वर्ष प्रत्येक कक्षा की पुस्तक को चार भागों में विभाजित किया गया है और इसका एक एकीकृत प्रारूप है. इसके अलावा, नोट्स लेने के लिए अभ्यास पृष्ठ उपलब्ध कराए गए हैं. पाठ्यपुस्तकों का वितरण स्कूलों की मांग के अनुसार किया जाएगा. तहसील स्तर पर पाठ्यपुस्तकों के वितरण की जिम्मेदारी समूह शिक्षा अधिकारियों, शिक्षा विस्तार अधिकारियों को सौंपी गई है. इस गतिविधि से छात्र, अभिभावक, शिक्षक संतुष्टि व्यक्त कर रहे हैं. 100% पाठ्यपुस्तकें तहसील स्तर तक पहुंच गई हैं. तहसील स्तर से स्कूलों का आवंटन जारी है.



आवाज भंडारा / प्रतिनिधि

भंडारा : जिले में 1 जुलाई से सरकारी स्कूलों प्रारंभ होने जा रही है. शिक्षा विभाग ने समग्र शिक्षा अभियान के तहत मुफ्त पाठ्य पुस्तकें समय पर छात्रों तक पहुंचाने की एक सटीक योजना बनाई है. इस सत्र में 87,894 छात्रों के लिए आवश्यक 3,66,012 पुस्तकों का स्टॉक तहसील स्तर पर पहुंच चुका है. स्कूल के पहले ही दिन पुस्तक दिन मनाया जाएगा और शिक्षा विभाग चाहता है कि पहले ही दिन यह किताबें छात्रों को उपलब्ध करा दी जाए. फिलहाल स्कूल स्तर पर इन किताबों के वितरण का काम शुरू कर दिया गया है.

कक्षा 1 से 8वीं तक पढ़ने वाला कोई भी बच्चा किताबों से वंचित न रहे, किताबों के अभाव में उसे पढ़ाई में दिक्कत न हो. स्कूल में सभी पात्र बच्चों की शत- प्रतिशत उपस्थिति बनाए रखना, ड्रापआउट दर को शून्य पर लाना, इसके लिए समग्र शिक्षा विभाग के तहत निःशुल्क पाठ्यपुस्तक योजना लागू की गई है. इस सरकारी योजना के तहत, सभी सरकारी स्कूलों, स्थानीय सरकारी स्कूलों और निजी सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक पढ़ने वाले सभी छात्रों को मुफ्त पाठ्य पुस्तकें प्रदान की जाती हैं. प्रदेश में ग्रीष्मवर्षा के बाद 15 जून से नया

शैक्षणिक वर्ष शुरू हो रहा है. हालांकि, पूर्वी विदर्भ में स्कूल 1 जुलाई से शुरू होंगे. शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक वर्ष के पहले दिन ही कक्षा 1 से 8वीं तक के पात्र लाभार्थियों को पाठ्य पुस्तकें वितरित करने की योजना बनाई है. राज्य सरकार ने पाठ्यपुस्तक वितरण दिवस को पुस्तक दिवस के रूप में मनाने के निर्देश दिये हैं. इसके लिए बालभारती की ओर से तहसील स्तर पर पाठ्य पुस्तकें वितरित की गई हैं. फिलहाल शिक्षा विभाग ने जानकारी दी है कि पाठ्यपुस्तकों को तहसील स्तर पर माध्यम, कक्षा और विषय के अनुसार वगीकृत करके स्कूल स्तर पर वितरित करने का कारवाईच कारवाई शुरू की गई है.

बोलता है भंडारा....

डॉक्टर बना खासदार

इस बार के चुनाव में काटे की टक्कर रही थी, कभी भाजपा आगे तो कभी कांग्रेस आगे थी, अंत में डॉक्टर प्रशांत पडोले ने बाजी मारी।

- खुशी कावळे

इस बार बदलाव तय था, और वह कांग्रेस ने कर के दिखाया। और अब कांग्रेस अपने शहर का विकास जरूर करेगी, ऐसी बातें हो रही हैं। अब इस बार तो भी विकास करने का प्रयास होना चाहिए।

- मोनु खान

भाजपा को अच्छी टक्कर मिली मात्र आखिर में कांग्रेस का विजय हुआ, अब नए खासदार क्या विकास करते हैं वह देखने की बात है। अब तक विकास की बातें ही थीं। अब नई सरकार आने के बाद विकास होना तय है।

- जयेश तलमले

डॉक्टर प्रशांत पडोले से आशा करते हैं की वे भंडारा गोंदिया जिले का विकास करेंगे. क्योंकि सभी जिलावासियों ने उनको चुनके लाने में सहकार्य किया है। और उम्मीद से उनके चुनके लाया है की वे अपने जिले का विकास करें।

- निशीकांत निंबार्ते

बोलता है भंडारा मे आपको प्रतिक्रिया देना है तो इस ७७०९९५२२२ व्हाट्स अप नंबर पे भेजे !

तूफान से घरों की छतें उड़ी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधि

मोहाड़ी : तहसील के नवेगांव (बु.) में सोमवार 10 जून को शाम करीब 4.30 बजे अचानक तेज तूफान आया. जिसमें गांव के कई घरों की छतें उड़ गई. जिससे काफी नुकसान हुआ. तूफान की गति तेज होने के कारण लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला.

इसमें माणिक चकोले, रुपेश चकोले. रामलाल चामलाटे, कपूरचंद चामलाटे, संतोष चामलाटे, विनोद चामलाटे, नरेंद्र मोहतुरे, संदीप चकोले. पृथ्वीराज चकोले का घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. कई घरों के छपर, टिन शेड उड़ने से काफी क्षति हुई. साथ ही आंधी के साथ धूल-मिट्टी भी घर में चली गई. आंधी के साथ कुछ देर बारिश भी हुई. छत खुले होने से घर में मौजूद उपकरण, सामान और उपभोग्य वस्तुएं बारिश में भीगने के कारण जरूरी खाद्य सामग्री भी क्षतिग्रस्त हो गई. तूफान से प्रभावित लोगों के घरों का निरीक्षण किया जाना चाहिए. उन्हें उचित मुआवजा देने की मांग सरपंच तिवुडे, उपसरपंच विजय बाते, अजय शेंडे और ग्रामीणों ने की है.

आखिर किसकी मेहरबानी से बेखौफ चल रहे हैं ओवरलोड वाहन

कब होंगी ओवरलोड गाड़ियों पर कार्रवाई RTO साहेब ?

क्षमता से अधिक रेती गिट्टी, कोयला ,मुरूम , धूलाई ज़ोरों पर

आवाज भंडारा / प्रतिनिधि

लेकर आवाज भंडारा ने खबर के माध्यम से कई बार RTO साहेब को अवगत कराया लेकिन एक गाड़ी पर कार्रवाई की जाती है तो 10 गाड़ियों को छूट दी जाती है कई RTO अधिकारी तो फोन भी नहीं उठाते यदि गलती से उठा लिया तो राउंड पर हूं या ऐसी जगह पर हु जहां से आना मुश्किल है ऐसा बोलकर डाल दिया जाता है जिस कारण समय पर कार्रवाई नहीं हो पाती है. भंडारा जिले में ओवरलोड वाहनों की इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व फ्रिट मीडिया के माध्यम से कई मर्तबा खबरें लगाई जाती है लेकिन भंडारा RTO साहेब को कोई फर्क नहीं पड़ता यानी वरिष्ठ के आदेश से चल रहे काम को रोकना या बंद करना मुश्किल होता है लेकिन भंडारा RTO साहेब आप कार्रवाई करें या ना करें बीएस क्राइम इंडिया न्यूज आम जनता तक हकीकत पहुंचाते रहेगा आने वाले आगे पार्ट में देखिए कौन करता है ? RTO अधिकारी की महीने की अवैध वसूली?? पूरा सच सचूतों के साथ.

भंडारा एसडीपीओ का प्रभार रश्मिता राव को सौंपा....

आवाज भंडारा / प्रतिनिधि

भंडारा : युवती से शारीरिक संबंध बनाने की मांग करने वाले भंडारा के उपविभागीय पुलिस अधिकारी अशोक बागुल को जबरन अवकाश पर भेज दिया गया। अब भंडारा के उपविभागीय पुलिस अधिकारी का प्रभार रश्मिता राव को सौंपा गया। उनके पास पिछले देढ़ वर्षों से तुमसर के उपविभागीय पुलिस अधिकारी का पद है। पुलिस अधीक्षक लोहित मतानी के निर्देश पर पीड़िता की शिकायत पर शुक्रवार 7 जून को धारा 354 (अ), 509 के तहत मामला दर्ज किया गया। इस प्रकरण की जांच चल रही है। फिलहाल आरोपी उपविभागीय पुलिस अधिकारी को जबरन छुट्टी पर भेज दिया गया है। साथ ही इसकी जांच रिपोर्ट वरिष्ठ स्तर पर भेजी गई है। अब कार्रवाई पर नजरें लगी हुई हैं। एक पुलिस अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित युवती पिछले तीन माह पहले से पुलिस उपविभागीय अधिकारी बागुल के पास अपनी शिकायत लेकर गई थी। तभी से उसने युवती को छेड़ना शुरू किया था। पहले भी लड़की ने इस प्रकरण में शिकायत दर्ज करने की कोशिश की थी। लेकिन उस समय बागुल ने माफ़ी मांगकर दोबारा फेशान न करने की बात कही थी। लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। बागुल ने फिर से युवती को छेड़ना तो पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया।

शक्कर कारखाना प्रबंधन की नीतियों से किसान त्रस्त गन्ना उत्पादक किसानों ने की तत्काल वेतन की मांग

आवाज भंडारा / प्रतिनिधि

तुमसर : वैनगंगा शुगर एंड पावर लि. द्वारा गन्ना उत्पादक किसानों को गत 4 माह से वेतन नहीं देने के कारण वे आर्थिक समस्याओं से जूझते हुए नजर आते हैं. कारखाना प्रबंधन की गलत नीतियों के कारण उनमें रोष व्याप्त है. 2 दिनों के भीतर वेतन नहीं मिलने पर कारखाना गेट के आगे 10 जून को आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है.

इस संदर्भ में यादोराव मुंगमोडे द्वारा कारखाने की कार्यकारी अधिकारी को सौंपे गए निवेदन में कहा कि, क्षेत्र के किसानों द्वारा कारखाने में फरवरी से मई माह के भीतर गन्ना दिया गया था. लेकिन किसानों को अब तक गन्ने का वेतन नहीं दिया गया है, किसान वेतन प्राप्त के लिए कारखाने के चक्कर लगाते हुए दिखाई देते हैं. वर्तमान में खेतों के कामकाज शुरू होने से किसानों को रुपयों की नितांत आवश्यकता है क्षेत्र के किसानों द्वारा अपने अधिकार के पैसे मांगने के लिए अनेको बार कारखाने के चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें पैसे नहीं मिलने से वे आर्थिक समस्याओं से जूझते हुए नजर आते हैं. इसी तरह 5 वर्ष पूर्व किसानों को वेतन नहीं देने से तुमसर तहसील के ग्राम कोठी के एक अल्पभूधारक किसान द्वारा आत्महत्या की गई थी, फिर भी प्रबंधन के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है. उन्होंने किसानों को तत्काल गन्ने का वेतन देने की मांग की गई है.

संवाददाता तथा वितरक नियुक्त करना है।

भंडारा-गोंदिया जिले में साप्ताहिक आवाज भंडारा न्युज पेपर के लिए तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्र में संवाददाता तथा वितरक नियुक्त करना है। संवाददाता के लिए किसी भी विषय में डिग्री पास होना अनिवार्य है।

: संपर्क करें :
 शमशेर खान, मुख्य संपादक,
साप्ताहिक आवाज भंडारा
 मो. ९४२१७९१३६९, ७९७२७९५६५५

पटेल को मंत्री नहीं बनाए जाने से कार्यकर्ता नाराज

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधि

तुमसर : सांसद प्रफुल पटेल को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने से रिवार को रात 8 बजे रायुकां (अजीत पवार) के पदाधिकारियों ने तहसील के मध्यप्रदेश राज्य मार्ग पर गोबरवाही के अस्पताल के सामने रास्ता रोकी आंदोलन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. इसमें चिखला जिप क्षेत्र प्रमुख उप सरपंच दिलीप सोनवने, ग्राप सदस्य वृषभ मेश्राम, फूलेश्वर वर्मा, अनिल निखारे, ओमेरा लिल्हारे, बिड्डू मेश्राम, लतीफ शेख, दुर्गा परतेती आदि उपस्थित थे.

उल्लेखनीय कार्य करनेवाले शिक्षक सम्मानित

आवाज भंडारा / प्रतिनिधि

भंडारा : उल्लेखनीय शैक्षणिक कार्य करनेवाले जिले के शिक्षकों को यहां विनोबा पुरस्कार प्रदान करके सम्मानित किया गया. जिला परिषद के सीईओ समीर कुर्तकोटि ने इन शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान किए. बताया गया कि पिछले शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों और शिक्षकों में वाचन कौशल विकसित करने के उद्देश्य से सीईओ समीर कुर्तकोटि की पहल पर भंडारा जिले में जिला परिषद की सभी पाठशालाओं में 'एक घंटा पठन' उपक्रम चलाया जा रहा है. इस उपक्रम में उल्लेखनीय योगदान देनेवाले चर्निदा शिक्षकों को ओपन लिंक्स फाउंडेशन की ओर से पठनीय पुस्तकें और लेखन सामग्री देकर सम्मानित किया जाता है. इसके तहत गत अप्रैल माह में चलाए गए उपक्रम के परस्कार सीईओ समीर कर्तकोटि ने वितरित किए. इस अवसर पर जिलापरिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमलाकर रणदिवे, शिक्षाधिकारी (योजना) रवींद्र सोनटक्के उपशिक्षाधिकारी (प्राथमिक) मंगल गोतरणे, ओपन लिंक्स फाउंडेशन के जिल समन्वयक निखिल गजभिये और विशाल दहाट प्रमुखता से उपस्थित थे. कार्यक्रम में उपक्रमशील चार शिक्षकों सतीश चिंघालोरे उसर्रा, बंडू खोब्रागड बोथली (दोनों तहसील मोहाड़ी), करुणा श्यामकुंवर जेवनाला (तहसील लाखनी और सीमा गाढ़वे पेवठा (तहसील भंडारा को जिला स्तरीय विनोबा एण के पुरस्कार दिए गए. इस अवसर पर कुर्तकोटिन शिक्षकों का पाठशालाओं में चलाए जा रहे उपक्रमों के बारे में मार्गदर्शन किया. साथ ही विद्यार्थियों से लेखन का अभ्यास मराठी और अंग्रेजी भाषाओं में कराने का सुझाव भी दिया.